आलोचना

त्रैमासिक

2005

सहस्राब्दी अंक *बाईस*

जुलाई-सितम्बर 2005

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 22 (Jul-Sep 2005)
TOC Provided by Center for Research Libraries

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

संयुक्त सम्पादक
मदन कश्यप
प्रभात रंजन

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

संपादकीय : पुनर्वास 5

सृजन

विनोद **कुमार शुक्ल** की कविताएँ 7
रवीन्द्र स्वप्निल प्रजापति की कविताएँ 8

कालजयी कृति

गोदान और विचारधारा : **रघुवंश मणि** 12
विचार और व्यवहार : **कृष्णमोहन** 18
'स्वराज' और 'सोराज' के संघर्ष का जीवंत दस्तावेज़ : **श्रीराम त्रिपाठी** 22

स्मरण

फिल्म उद्योग में प्रेमचन्द : **सव्यसाची भट्टाचार्य** 27
प्रेमचन्द की आवाज़ : मूल स्वराघात : **नवलकिशोर** 35

जन्मशती

जैनेन्द्र का सच और 'मुक्तिबोध' : **प्रभाकर श्रोत्रिय** 41

साक्षात्कार

चार मुख का राक्षस और कविता :
वरिष्ठ कवि **चंद्रकांत देवताले** से **रमेश राऊत** की बातचीत 46

विमर्श

इक्कीसवीं सदी में मार्क्सवाद : **महेन्द्र मिश्र** 53
मार्क्स, फूको और गांधी : **विनोद शाही** 72
नोम चॉम्स्की की भारत-दृष्टि : **कनक तिवारी** 88

मूल्यांकन

छोड़ी असद न हमने गदाई में दिल्लगी : **संतोष दीक्षित** 97
अँधेरे का उजाला : **प्रभात रंजन** 100
रिश्तों के कब्रिस्तान में : **रजनी गुप्त** 104

साभार

दो पत्र : **जवाहरलाल नेहरू, कृष्ण कृपलानी** 109-110